आईआईएम रांची में गुड गवर्नेंस डे मना, मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा-

अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से सीख लेकर देश की जिम्मेवारी उठाने आगे आएं

सिटी रिपोर्टर. रांची

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास आप सभी ने कई बार सुना होगा, यह सिर्फ एक नारा के रूप में नहीं, हमारे भाव के रूप में उभरना चाहिए। यह बात हमें गुड गवर्नेंस की ओर ले जाती है। ये बातें मंत्री, ट्राइबल अफेयर्स, भारत सरकार अर्जुन मुंडा ने कही। मौका था आईआईएम रांची के अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित सुशासन दिवस का। मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन मुंडा, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, लोकसभा सांसद संजय सेठ, आईआईएम रांची के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा आदि उपस्थित रहे। प्रो. शैलेंद्र सिंह ने कॉलेज की यात्रा के बारे में बताया। कहा कि 2009 में कॉलेज की यात्रा शुरू हुई। अब 7 प्रोग्राम में एक हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स यहां पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा कई उत्कृष्टता केंद्र शुरू किए गए हैं। जिनमें से एक अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस भी है। अर्जुन मुंडा ने एकेडमिक बिल्डिंग का उद्घाटन भी किया।

आईआईएम के एकेडमिक बिल्डिंग का उद्घाटन अर्जुन मुंडा ने किया

आपकी शिक्षा नेतृत्व करने वाली होनी चाहिए : केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आप सभी अपने अपने क्षेत्र के लीडर हैं। आपको बहुत अच्छा मौका मिला है, बहुत अच्छा संस्थान मिला है। हर व्यक्ति की अपनी आवश्यकता है, लेकिन साथ ही देशसेवा का भाव भी होना चाहिए। आपके ऊपर परिवार के साथ देश की भी जिम्मेदारी है। अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रेरणा के स्रोत हैं। उनके जीवन से सीख लें। आपकी शिक्षा नेतृत्व करने वाली होनी चाहिए।

वाजपेयी जी को झारखंड के लोग व यहां की जलवायु से बहुत प्रेम था

रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का झारखंड से विशेष प्रेम रहा। ऐसा कोई साल नहीं होता था, जब वे रांची नहीं आते थे। यहां के लोग, जलवायु, प्रकृति से उनका बहुत प्रेम रहा। और इसलिए उन्हीं के हाथों अलग राज्य के रूप में झारखंड हमें मिला। उनका व्यक्तित्व ही ऐसा था कि सभी आइडियोलॉजी के लोग उन्हें पसंद करते थे। उन्होंने कहा कि समाज में जो सबसे नीचे पायदान पर बैठा व्यक्ति है, उस तक डेवलपमेंट नहीं पहुंचे, तब समझें कि गवर्नेंस कुछ है ही नहीं।

गुड गवर्नेंस प्राचीन परंपरा की देन है

दीपक प्रकाश ने कहा कि सुशासन हमारी प्राचीन परंपरा की देन है। हमारे सिविलाइजेशन से भी सुशासन की सुगंध आती है। भगवान बुद्ध के जो विचार थे, वे भी सुशासन के विचार थे। वाजपेयीजी ने भी बताया कि कैसे शासन को सुशासन में बदला जाता है।

Dainik Bhaskar, 26.12.2021, Pg 04